एक नजर में

आर्थिक तंगी किसी भी बच्चे के सपनों के आड़े न आए : सोनम मेहता

मंदसौर। इनरव्हील क्लब ऑफ मंदसौर दशपुर के तत्वावधान में समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। क्लब सदस्या ऐना पोरवाल द्वारा एमएलबी कन्या हाईस्कूल की दो जरूरतमंद मेधावी छात्राओं की पूरी स्कूल फीस का भुगतान कर उन्हें पूर्ण आर्थिक सहायता प्रदान की गई। बच्चों की शिक्षा के लिए मिली इस महत्वपूर्ण मदद से उनके परिवारों को बड़ी राहत मिली है और बच्चों का भविष्य संवरने की राह आसान हुई है। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष सोनम मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही समाज के सशक्तिकरण का सबसे सशक्त माध्यम है। जब हम किसी जरूरतमंद मेधावी बच्चे की पढ़ाई में मदद करते हैं, तो हम केवल एक बच्चे का नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज का भविष्य बेहतर बना रहे होते हैं। इनरव्हील क्लब हमेशा ऐसे प्रतिभावान और जरूरतमंद बच्चों का हाथ थामने के लिए तत्पर रहता है, ताकि आर्थिक तंगी किसी भी बच्चे के सपनों के आड़े न आए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया। उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्लब द्वारा उन्हें पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान विद्यालय प्राचार्य राजेश रत्नावत, क्लब अध्यक्ष सोनम मेहता, नेहा डोसी, राखी पोरवाल, शिखा गोयल, सुरक्षा चौधरी और ऐना पोरवाल सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

राजेन्द्र विलास में प्रतिदिन हो रही है धर्मसभा

मंदसौर। त्रिस्तुतिक श्रीसंघ, चातुर्मास समिति, राजेन्द्र जैन नवयुवक व तरुण परिषद की विनती पर मंदसौर में चातुर्मास हेतु पधारे जैन संत श्री प्रत्यक्षरत्नविजयजी व श्री पवित्र रत्न विजयजी म.सा. के द्वारा प्रतिदिन प्रातः 9 से 10.15 बजे तक जीवागंज स्थित राजेन्द्र विलास में धर्मबिन्दु ग्रंथ व समरादित्य केवली चरित का वाचन किया जा रहा है तथा वाचन करते हुये ग्रंथ का भावार्थ भी समझाया जा रहा है। मुनिराज श्री प्रत्यक्षरत्नजी म.सा. के द्वारा धर्मबिन्दु ग्रंथ के विषय में बताया गया कि यह ग्रंथ लगभग 1100 वर्ष पूर्व श्री हरिभद्रसूरीश्वरजी म.सा. के द्वारा रचित है। यह ग्रंथ प्राकृत-हिन्दी गुजराती सहित कई भाषाओं में है। इस ग्रंथ में साधु, साध्वी, श्रावक, श्राविकाओं के धर्म आचरण, एवं कर्तव्यों का उल्लेख किया गया है साथ ही इनका व्यवहार जीवन कैसा होना चाहिए यह भी बताया गया है। यह ग्रंथ जैन धर्म का सार है। मुनिराज श्री पवित्ररत्नजी के द्वारा समरादित्य केवली चरित का वाचन व उसका भावार्थ कराया जा रहा है। यह ग्रंथ भी हरिभद्रसूरीश्वरजी के द्वारा रचित है। इसकी रचना भी 1100 वर्ष से पहले हुई है। इस ग्रंथ में श्री गुणसेन राजा व तापस अग्नि शर्मा के 9 भवों का वर्णन है। ग्रंथ में बताया गया है कि बैर भावना के कारण दोनों का 9 भव तक जन्म हुआ। सभी भवों में उनका रिश्ता बैर का ही रहा। इसके परिणामस्वरूप तापस अग्नि शर्मा, जो कि बैर भावना रखता था, उसकी दुर्गति हुई गुणसेन राजा, 9 वें भव में समरादित्य बने और केवल ज्ञान प्राप्त कर मोक्ष को प्राप्त करने में सफल रहे। जीवन में यदि बैर की गांठ बांधते है तो उसकी गति तापस अग्नि शर्मा की भांति होती है। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का मंदसौर भ्रमण कार्यक्रम

मंदसौर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा 6 अगस्त को मंदसौर प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देवड़ा 6 अगस्त को सायं 4:30 बजे उज्जैन से प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि 8:00 बजे मंदसौर पहुंचेंगे। यहां उनका रात्रि विश्राम रहेगा।

जिला पंचायत की साधारण सभा में गर्माया भ्रष्टाचार का मुद्दा

विधायक प्रतिनिधि तरुण खिंची ने सीएमएचओ पर लगाए गंभीर आरोप

मन्दसौर। जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक में स्वास्थ्य विभाग में चल रही कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर जमकर हंगामा हुआ। बैठक में गरोठ विधायक चंद्रसिंह सिसौदिया की मौजूदगी में विधायक प्रतिनिधि तरुण खींची ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई गंभीर आरोप लगाए और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए।

सदन के दौरान तरुण खींची ने आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती में हुए बड़े फर्जीवाड़े को उजागर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला अस्पताल में मात्र 66 आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती की स्वीकृति थी, लेकिन इसके विपरीत 300 से अधिक बेरोजगार युवाओं को झांसा देकर उनसे एक-एक लाख रुपये तक की अवैध वसूली की गई। मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के साथ हुए इस छल पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्होंने मांग की कि आरोपी सीएमएचओ चौहान पर तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए, मामले की निष्पक्ष जांच हो और पीड़ित युवाओं से ऐंठी गई राशि तुरंत वापस दिलाई जाए।

इसके अलावा, जिले की चरमराती स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी विधायक प्रतिनिधि ने स्वास्थ्य प्रशासन को घेरा। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में लंबे समय से सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध होने के बावजूद रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति नहीं की गई है। इस लापरवाही के कारण असहाय गर्भवती महिलाओं को मजबूरन निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों का रुख करना पड़ता है, जिससे उन पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। तरुण खींची ने सीएमएचओ के कार्यकाल में 50-50 हजार रुपये की लेन-देन कर किए गए कर्मचारियों के तमाम अटैचमेंट को तुरंत निरस्त करने की भी पुरजोर मांग उठाई।

सदन में उठे इन गंभीर और संवेदनशील मुद्दों का संज्ञान लेते हुए सीएमएचओ डॉ. आर.के. द्विवेदी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

पिता की स्मृति में मुक्तिधाम को 11 हजार रुपए की दान राशि भेंट

भानपुरा। भानपुरा निवासी राजेश टेलर, उनके भाई उमाशंकर टेलर, दिलीप टेलर एवं सुनील टेलर ने अपने पूज्य पिता स्वर्गीय गोपाल टेलर की पुण्यस्मृति में सामाजिक सरोकार निभाते हुए एक सराहनीय कार्य किया है। स्वर्गीय गोपाल टेलर का निधन दिनांक 20 जुलाई 2026 को हो गया था जिनकी पुण्यस्मृति में उनके पुत्रों ने स्थानीय नरसिंह घाट मुक्ति धाम के विकास और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने के लिए ?11,000 (ग्यारह हजार रुपए) की नकद राशि दान स्वरूप भेंट की है। दानदाता परिवार ने यह राशि मुक्तिधाम प्रबंधन समिति के सदस्य विश्वास तिवारी को सौंपी एवं रसीद प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुक्तिधाम समाज का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

भय व लोभ को छोड़ें, वैराग्य की भावना लाए : आचार्य सागरचन्द्र सूरीश्वरजी

मंदसौर। भय व लोभ मानव के ऐसे कषाय है जिन्हें छोड़ना जरूरी है। लालच (लोभ) व भय को जो मनुष्य छोड़ देता है उसे संसार का कोई भी व्यक्ति डरा नहीं सकता है तथा उसे प्रभावित नहीं कर सकता है। जो ऐसा कर लेता है वह वैराग्य को प्राप्त कर लेता है। मनुष्य जीवन में जहाँ वैराग्य आता है तो उसकी मोक्षगति हो जाती है। ज्ञानियों ने वैराग्य को सबसे बड़ा रक्षक कहा है।

उक्त उद्गार प.पू. जैन आचार्य श्री अशोकसागर सूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में चन्द्रपुरा आर्यरक्षित जैन तीर्थ धाम पर आयोजित धर्मसभा में आचार्य श्री सागरचन्द्रसागरजी म.सा. ने कहे। आपने बुधवार को यहाँ धर्मसभा में कहा कि वैराग्य से प्रबल कोई रक्षक नहीं है। वैराग्य की भावना ऐसी होती है जिसमें न कोई लोभ होता है नहीं कोई भय होता है। आपने संतों के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि जो वितरागी आत्मा होती है वह भय व लोभ पर विजय पा लेती है उन्हें कोई भी शक्ति प्रभावित नहीं कर पाती है। आपने सिकन्दर व एक भिक्षुक का वृतान्त बताते हुये कहा कि सिकन्दर के गुरु अरस्तु ने उन्हें भारत का एक सच्चा साधु लाने को कहा था जब सिकन्दर उसे लेने गया तो उसने आने से मना कर दिया तब सिकन्दर ने उसे डराया धमकाया लेकिन वह नहीं माना। जब भय से काम नहीं चला तो प्रलोभन दिया लेकिन वह भिक्षुक उससे भी जरा प्रभावित नहीं हुआ। आखिरकार सिकन्दर को उस संत के सामने नतमस्तक होना पड़ा। इस वृतान्त का भावार्थ यह है कि जो व्यक्ति भय व लोभ पर विजय पा लेता है वह वैराग्य आत्मा की भांति महान हो जाता है। आपने कहा कि किसी से भी कोई अपेक्षा मत रखो। यदि अपेक्षा नहीं रहेगी तो दुख भी नहीं होगा। अपेक्षा ही दुख का कारण है।

धर्मसभा में संत (शास्त्र) बिछाने का धर्मलाभ दरयावलसिंह लोढा परिवार ने लिया। बुधवार को सहधर्मी स्वामीवात्सल्य का धर्मलाभ समरथमलजी जैन की स्मृति में कमला जैन, राजेश जैन, नरेश जैन (जैन स्वीट्स) परिवार ने लिया। इन दोनों परिवारों का बहुमान श्री संघ एवं चातुर्मास समिति के द्वारा किया गया।

भाजपा सरकार पर आरक्षित वर्गों के अधिकारों की अनदेखी का आरोप

सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी

पिपलियामंडी। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ने मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) एवं अन्य आरक्षित वर्गों के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में निकाली जा रही विभिन्न शासकीय भर्तियों में आरक्षण नियमों का सही ढंग से पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे आरक्षित वर्गों के युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है। जोकचंद ने बताया कि हाल ही में जारी पंचायत समन्वय अधिकारी भर्ती के 311 पदों में अनुसूचित जाति वर्ग के लिए प्रत्यक्ष भर्ती का एक भी पद निर्धारित नहीं किया गया है, जबकि अनुसूचित जनजाति वर्ग को केवल 18 पद आवंटित किए गए हैं। वहीं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 45 पद निर्धारित किए गए हैं।

उनका आरोप है कि यह व्यवस्था संविधान की भावना और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती में भी ईडब्ल्यूएस वर्ग को निर्धारित आरक्षण प्रतिशत से अधिक पद दिए जाने को लेकर विवाद सामने आया था। अब पंचायत समन्वय अधिकारी भर्ती में भी आरक्षित वर्गों के साथ कथित अन्याय की स्थिति बनने से सरकार की भर्ती प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। किसान नेता ने कहा कि डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा प्रदत्त संवैधानिक आरक्षण व्यवस्था सामाजिक समानता और न्याय का आधार है।

इसके साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि पंचायत समन्वय अधिकारी एवं कृषि विस्तार अधिकारी भर्ती का रोस्टर, आरक्षण की गणना तथा श्रेणीवार पद निर्धारण का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। यदि किसी भी वर्ग के साथ अन्याय हुआ है तो भर्ती प्रक्रिया में तत्काल संशोधन कर न्याय सुनिश्चित किया जाए। जोकचंद ने कहा कि प्रदेश के लाखों युवा पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की अपेक्षा रखते हैं, लेकिन वर्तमान सरकार इस दिशा में गंभीर नहीं दिखाई दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ही इस मामले में स्थिति स्पष्ट नहीं की और कथित त्रुटियों का निराकरण नहीं किया, तो प्रदेशभर में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

कर्मचारी हितों को लेकर कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रमेश चंद्र शर्मा से गंभीर चर्चा

मंदसौर। संभाग स्तरीय स्काउटर-गाइडर हाइक के दौरान मंदसौर जिले से लगभग 27 प्रतिभागियों ने तिरुपति में सहभागिता की। हाइक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि भी शामिल रहे। इसी दौरान भगवान तिरुपति देवस्थानम के नारायण हाल में कर्मचारी कल्याण आयोग के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त श्री रमेश चंद्र शर्मा से कर्मचारी हितों एवं विभिन्न समस्याओं को लेकर गंभीर एवं विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में जिला मुख्य आयुक्त स्काउट गाइड श्री अंशुल बैरागी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती दीपिका बैरागी की उपस्थिति में कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं से श्री शर्मा को अवगत कराया।

शिक्षक कांग्रेस के संभाग अध्यक्ष श्री राजेश कुमार पांडे ने ई-अटेंडेंस एवं ज्ञ श्रृंखला से संबंधित शिक्षकों को आ रही परेशानियों को प्रमुखता से रखा। इस पर श्री रमेश चंद्र शर्मा ने शीघ्र उच्च स्तर पर चर्चा कर शिक्षकों के पक्ष में उचित निराकरण का आश्वासन दिया।

वहीं स्काउट गाइड जिला प्रवक्ता श्री मोहम्मद उमर शेख ने शिक्षकों की क्रमोन्नति, वरिष्ठता तथा उच्च पद प्रभार से समस्याओं की ओर श्री शर्मा का ध्यान आकर्षित किया। पंचायत सचिव श्री महेश कुमार पांडे ने पंचायत सचिवों एवं सहायक सचिवों से संबंधित समस्याओं को रखा। इस पर श्री शर्मा ने शीघ्र उच्च स्तरीय निर्णय एवं आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एक नजर — शास्त्री कॉलोनी स्थित नवकार भवन में प्रवचन हुए

बैर की भावना छोड़ो, धर्म से नाता जोड़ों : साध्वी नेहाश्रीजी

मंदसौर। मानव जीवन में बैर अर्थात शत्रुता की भावना सदैव ही हमारे जन्म मरण का कारण रही है। किसी ने थोड़ा सा कुछ कह दिया तो हम उसके प्रति बैर पाल लेते हैं यह बैर की भावना हमें सदैव ही कष्ट देती है। इसीलिए जीवन में कभी भी बैर की भावना को मन में मत आने दो, जीवन में बैर भावना से नहीं धर्म से नाता जोड़ना चाहिये।

उक्त उद्गार परम पूज्य आचार्य श्री विजयराजजी म.सा. की आज्ञानुवर्ती साध्वी श्री नेहाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 8 ने शास्त्री कालोनी स्थित नवकार भवन में कहे। आपने बुधवार को यहाँ धर्मसभा में कहा कि हमें बैर की गांठ को खोले बिना हमारा मोक्ष संभव नहीं है। जैन धर्म व दर्शन में ऐसे कई वृतान्त मिलते हैं जहां बैर की भावना के कारण मनुष्य की दुर्गति हुई। आपने कहा कि जीवन में यदि हम बैर भावना रखते हैं तो हमें नरक या तिर्यन्च गति ही मिलेगी। आपने कहा कि जीवन में यदि शांति समाधि चाहते हो तो किसी के भी प्रति बैर मत रखो। जीवन में हमें क्षमापना व समता का भाव रखना चाहिये इससे ही हमें मोक्षगति प्राप्त होगी।

पुरानी बातों को डस्टबिन में डालो - साध्वी जी ने कहा कि जिस प्रकार घर के अनुपयोगी वस्तुओं को हम कचरे के डिब्बे (डस्टबिन) में डाल देते है उसी प्रकार पुरानी बातो को डस्टबिन में डाल देना चाहिये अर्थात उसे हमारे मन मस्तिष्क से निकाल देना चाहिये। यदि मन मस्तिष्क में किसी के प्रति दुर्भावना बैर रहेगा तो वह हमेशा ही मन खराब करेगा। इसलिए जीवन में पुरानी व्यर्थ की बैर बातो को स्थान मत दो।

तीन तपस्वियो ने अठाई की - आचार्य श्री विजयराजजी म.सा. एवं साध्वी श्री नेहाश्रीजी म.सा. की पावन प्रेरणा से नवकार भवन में तप तपस्याये चल रही है। चातुर्मास अंतर्गत विकास गजराज जैन, श्रीमती इन्दु पति जवाहर भण्डारी, श्रीमती ज्योति पति प्रवीण उकावत ने 8 उपवास (अठाई) की तपस्या पूरी कर ली है।

नीमच

एक नजर में

समाजसेवियों का हुआ सम्मान

नीमच। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 4 जुलाई से 12 अगस्त तक आयोजित किए जा रहे स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत बुधवार को जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था सुरेश लोक शिक्षण समिति, नीमच द्वारा भादवा माता स्थित राजेश्वरी शंकर वेद पाठी विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद सदस्य राजीव गरासिया, मंडल अध्यक्ष नागदा एवं सांसद प्रतिनिधि महेश गुर्जर, भादवा माता के सरपंच नवल किशोर सुरावत, रतन मालावत, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक नवनीत रत्नाकर तथा मनासा विकासखंड समन्वयक महेंद्र पाल सिंह भाटी उपस्थित रहे। जिला समन्वयक नवनीत रत्नाकर ने परिषद द्वारा संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' एवं नशामुक्ति अभियान की जानकारी देते हुए जनभागीदारी से सामाजिक परिवर्तन का आह्वान किया। वहीं विकासखंड समन्वयक महेंद्र पाल सिंह भाटी ने स्वैच्छिकता पर्व के उद्देश्य, महत्व एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर सखियों तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सांसद प्रतिनिधि महेश गुर्जर ने उपस्थित सभी लोगों को स्वैच्छिकता की शपथ दिलाते हुए कहा कि समाज के विकास में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विद्यालय परिसर में अतिथियों एवं सहभागियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में जिले के तीनों विकासखंडों के बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं, प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, परामर्शदाता तथा नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में सुरेश लोक शिक्षण समिति के निदेशक राजेंद्र सिंह चौहान ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सान्दीपनि विद्यालय निर्माण हेतु जन-अभियान आज

नीमच। सान्दीपनि विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) के शीघ्र निर्माण कार्य का शुभारंभ 15 अगस्त 2026 से पूर्व करवाने की मांग को लेकर 06 अगस्त 2026 (गुरुवार) प्रातः 09:30 बजे क्रमांक-2 स्कूल के बास्केटबॉल ग्राउंड पर जन-अभियान का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ होगा। इसके पश्चात नागरिक एवं अभिभावक नीमच विधायक के निवास पर पहुँचकर विद्यालय निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने का विनम्र आग्रह करेंगे।

खेतों की फेंसिंग में करंट छोड़ने का मामला, भाजपा नेता ने कार्रवाई की मांग

मनासा। विधानसभा क्षेत्र में खेतों की सुरक्षा के नाम पर फेंसिंग के लोहे के तारों में अवैध रूप से बिजली का करंट छोड़ने के आरोपों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। इस मुद्दे पर भाजपा नेता दिनेश राठौर ने बिजली विभाग एवं प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

दिनेश राठौर ने कहा कि खेतों की फेंसिंग में करंट प्रवाहित करना न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि इससे राहगीरों, बच्चों और मवेशियों की जान को भी गंभीर खतरा पैदा हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में इस प्रकार की घटनाओं के कारण दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कोई व्यक्ति फेंसिंग में करंट छोड़ता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। उनका कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है।

राठौर ने प्रशासन से मांग की कि - खेतों की फेंसिंग में अवैध रूप से छोड़े जा रहे बिजली करंट की तत्काल जांच कराई जाए। दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाए।

बिजली वितरण विभाग विशेष अभियान चलाकर ऐसे मामलों की रोकथाम सुनिश्चित करे। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को इस तरह के खतरनाक एवं अवैध कृत्य के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस समस्या पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्रवासियों के साथ आंदोलन किया जाएगा।

कलेक्टर ने जारी किए संशोधित कार्य विभाजन आदेश

डिप्टी कलेक्टरों के कार्य प्रभार में किया गया आंशिक बदलाव

नीमच। प्रशासनिक कार्यों में अधिक दक्षता, समन्वय और त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिले में पदस्थ डिप्टी कलेक्टरों के कार्य प्रभार में आंशिक संशोधन करते हुए नया कार्य विभाजन आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। जारी आदेश के अनुसार डिप्टी कलेक्टर श्रीमती मयूरी जोक को जिला शहरी विकास अभिकरण (डूडा) नीमच के परियोजना अधिकारी का प्रभार तथा प्रभारी अधिकारी बंगला बगीचा व्यवस्थापन का दायित्व सौंपा गया है।

इसी प्रकार डिप्टी कलेक्टर श्री चन्द्रसिंह धार्वे को ईओडब्ल्यू सभी आयोग, आयुक्त शिकायत,वरिष्ठ शिकायत,लोकायुक्त, विधानसभा एवं लोकसभा से संबंधित कार्य, ध्यानाकर्षण प्रश्नों के नोडल अधिकारी,सूचना का अधिकार एवं सिटीजन चार्टर, लोकसेवा गारंटी अधिनियम तथा मंत्री शाखा से प्राप्त पत्रों पर कार्रवाई का दायित्व सौंपा गया है। वहीं डिप्टी कलेक्टर सुश्री श्रुति भवालिया को भू-अभिलेख, जिला भू-प्रबंधन एवं सीलिंग से संबंधित कार्यों का प्रभार सौंपा गया है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि इन विषयों से संबंधित प्रस्ताव अपर कलेक्टर के माध्यम से कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

खरीफ-2025 का फसल बीमा नहीं मिलने पर किसानों में नाराजगी

नीमच। खरीफ-2025 की सोयाबीन फसल का बीमा नहीं मिलने से नाराज ग्राम घसुण्डी जागीर के किसानों ने बुधवार को विधायक दिलीप सिंह परिहार के निवास पहुंचकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। सरपंच प्रतिनिधि मनोहर रावत के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए पात्र किसानों को शीघ्र फसल बीमा राशि दिलाने की मांग की।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि वर्ष 2025 में सोयाबीन फसल को भारी नुकसान हुआ था। शासन द्वारा फसल क्षति का सर्वे कर राहत राशि का वितरण भी किया गया, लेकिन इसके बावजूद गांव के कई किसानों को अब तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ नहीं मिल पाया है।

किसानों का कहना है कि फसल नुकसान का सर्वे होने और राहत राशि मिलने के बाद भी बीमा राशि से वंचित रहना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने विधायक से बीमा कंपनी एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर पात्र किसानों को जल्द से जल्द फसल बीमा राशि दिलाने की मांग की।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने गांव के विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्ताव भी विधायक के समक्ष रखे। उन्होंने विधायक निधि से स्वेच्छानुदान स्वीकृत कराने तथा पंचायत क्षेत्र में आवश्यक विकास कार्यों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

एक नजर — भाजपा ने 12 साल में 'अंधभक्तों की फौज' खड़ी की

जनता से जुड़े मुद्दों से भटका रही सरकार : मधु बंसल

नीमच। कांग्रेस नेत्री एवं समाजसेविका श्रीमती मधु बंसल ने केंद्र की भाजपा सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल पर तीखा हमला बोलते हुए इसे विफलताओं, जनविरोधी नीतियों और छलावे का दौर बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अपनी नाकामियों और भ्रष्टाचार से जनता का ध्यान भटकाने के लिए देश में 'अंधभक्तों की फौज' खड़ी कर दी है, जो वास्तविक समस्याओं से आंखें मूंदकर सत्ता का समर्थन कर रही है।

जारी बयान में श्रीमती बंसल ने कहा कि आम नागरिक रोजमर्रा की जिंदगी में टूटी सड़कें, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार तथा स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का सामना कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद एक वर्ग सरकार की हर नीति का समर्थन करने में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन आज जो भी व्यक्ति महंगाई, बेरोजगारी या अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर सवाल उठाता है, उसे देशद्रोही, एंटी-नेशनल या एंटी-हिंदू कहकर बदनाम करने का प्रयास किया जाता है।

बंसल ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थकों का एक बड़ा वर्ग सरकार के चुनावी घोषणापत्र, संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों तथा आर्थिक मुद्दों की जानकारी के बजाय सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप पर प्रसारित भ्रामक संदेशों पर अधिक भरोसा कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतंत्र में जागरूक नागरिकों को तथ्यों के आधार पर सरकार का मूल्यांकन करना चाहिए, न कि प्रचार के आधार पर।

कांग्रेस नेत्री ने कहा कि इतने बड़े और प्रतिभाशाली देश में यह मान लेना कि कुछ चुनिंदा नेताओं के अलावा कोई विकल्प नहीं है, लोकतांत्रिक सोच के विपरीत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार की आलोचना करने वाले बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को बिना आधार के 'बिका हुआ' कहकर उनकी आवाज दबाने की कोशिश की जाती है।